अध्याय चतुर्थ

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

4.2 परिकल्पनाओं का विवरण

4.3 शिक्षा के मुख्य प्रवाह पर पड़नेवाले प्रभाव का अध्ययन

अध्याय चतुर्थ

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या शोध प्रक्रिया के आगमन तक के प्रयोग को व्यक्त करता है। स्वनिर्मित परिकल्पाओं के स्वीकृति हेतु प्रदत्तों को समूह व उपसमूह में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता है, जो नवीन सिद्धांत की खोज अथवा सामान्यीकरण के रूप से होता है। जब दो से अधिक मध्यमानों अथवा दो से अधिक प्रतिदर्श आंकड़ों के परीक्षण की आवश्यकता होती है, तो इस आवश्यकता की पूर्ति प्रसरण विश्लेषण द्वारा होती है।

अनुसंधानकर्ता को जब एक साथ कई स्वतंत्र चरों के प्रभावों का मात्रात्मक अध्ययन करना होता है, तो वह उस स्थिति में प्रसरण विश्लेषण विधि सांख्यिकीय विश्लेषण के लिये अपनाता है। अतः जब एक साथ कई मध्यमानों के अंतर की सार्थकता की जांच करनी होती है, तब वह प्रसरण विश्लेषण की सहायता लेता है। क्योंकि इस अवस्था में यदि टी–परीक्षण का उपयोग किया जाता है, तो गणना का काम बहुत अधिक बढ़ जाता है। यद्यपि दो मध्यमानों के अंतर की सार्थकता की जांच के लिये टी– परीक्षण अपेक्षाकृत अधिक उपयुक्त और सरल माप है।

4.2 परिकल्पानाओं का विवरण

परिकल्पना 1

"मराठी विषय की लिखित उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है।"

तालिका 4.2.1

मराठी विषय की लिखित उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं के बीच अंतर

श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता की कोटि (df)	"t" मूल्य	सार्थकता स्तर
छात्र	154	47.24	11.792	298	2.107	0.01*
छात्रायें	146	50.26	13.024			

स्पष्टीकरण : उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.1 को देखने से स्पष्ट होता है कि, मराठी विषय की लिखित उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में 't' का मूल्य 2.107 है। स्वतंत्रता कोटि (df) 298 पर 0.01 स्तर पर "t" का मूल्य 2.59 है।

प्रस्तुत तालिका में "t" का मूल्य 2.107 है। यह मूल्य 0.01 स्तर से कम है। इसलिये 0.01 स्तर पर "t" का मूल्य सार्थक नहीं है। अतः "t" मूल्य सार्थक न होने की वजह से परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षः अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि – "मराठी विषय की लिखित उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है।"

परिकल्पना 2 ''मराठी विषय की मौखिक उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है।''

तालिका 4.2.2

मराठी विषय की मौखिक उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं के बीच अंतर

श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता की कोटि (df)	''t'' मूल्य	सार्थकता स्तर
छात्र	154	15.00	1.734	298	.463	0.01*
छात्रायें	146	14.91	1.588			

स्पष्टीकरण : उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.2 को देखने से स्पष्ट होता है कि, मराठी विषय की मौखिक उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में "t" का मूल्य .463 है। स्वतंत्रता कोटि (df) 298 पर 0.01 स्तर पर "t" का मूल्य 2.59 है।

प्रस्तुत तालिका में "t" का मूल्य 2.59 है। यह मूल्य 0.01 स्तर से कम है। इसलिये 0.01 स्तर पर "t" का मूल्य सार्थक नहीं है। अतः "t" मूल्य सार्थक न होने की वजह से परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष: अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि – ''मराठी विषय की मौखिक उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है।''

परिकल्पना 3 "मराठी विषय की लिखित एवं मौखिक (समग्र) उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है।"

तालिका 4.2.3

मराठी लिखित एवं मौखिक (समग्र) उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं के बीच अंतर

श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाण विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता की कोटि (df)	"t" मूल्य	सार्थकता स्तर
छात्र	154	61.94	12.568	298	2.166	0.01*
छात्रायें	146	65.16	13.201			

स्पष्टीकरण : उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.3 को देखने से स्पष्ट होता है कि, मराठी विषय की लिखित एवं मौखिक (समग्र) उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में "t" का मूल्य 2.166 है। स्वतंत्रता कोटि (df) 298 पर 0.01 स्तर पर "t" का मूल्य 2.59 है।

प्रस्तुत तालिका में "t" का मूल्य 2.166 है। यह मूल्य 0.01 स्तर से कम है। इसलिये 0.01 स्तर पर "t" का मूल्य सार्थक नहीं है। अतः "t" मूल्य सार्थक न होने की वजह से परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष: अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि – "मराठी विषय की लिखित और मौखिक (समग्र) उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है।"

परिकल्पना 4 ''गणित विषय की लिखित उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है।''

तालिका 4.2.4

गणित विषय की लिखित उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्रओं के बीच अंतर

श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाण विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता की कोटि (df)	''t'' मूल्य	सार्थकता स्तर
छात्र	154	82.55	14.509	298	3.124	0.01**
छात्रायें	146	76.03	21.175			

स्पष्टीकरण : उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.4 को देखने से स्पष्ट होता है कि, गणित विषय की लिखित उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में "t" का मूल्य 3.124 है। स्वतंत्रता कोटि (df) 298 पर 0.01 स्तर पर "t" का मूल्य 2.59 है।

प्रस्तुत तालिका में "t" का मूल्य 3.124 है। यह मूल्य 0.01 स्तर से ज्यादा है। इसलिये 0.01 स्तर पर "t" का मूल्य सार्थक है। अतः "t" का मूल्य सार्थक होने की वजह से परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षः अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि – ''गणित विषय की लिखित उपलब्धि परीक्षण में छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर है।''

परिकल्पना 5 "मराठी विषय की लिखित उपलब्धि परीक्षण में बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है।"

तालिका 4.2.5

बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं के बीच मराठी विषय की लिखित उपलब्धि में अंतर

प्रसरण स्त्रोत (S.V.)	वर्गो का योग (S.S.)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (M.S.)	"F" मूल्य	सार्थकता स्तर
समूह के मध्य (B.S.S.)	1982.220	2	991.110	6.605	0.01**
समूह के अंतर्गत (W.S.S.)	44569.550	297	150.066		

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य −4.68

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य −3.03

स्पष्टीकरण : उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.5 को देखने से स्पष्ट होता है कि, मराठी लिखित उपलब्धि परीक्षण में बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल के छात्रों एवं छात्राओं में "F" का मूल्य 6.605 है।

प्रस्तुत तालिका में "F" का मूल्य 6.605 है। यह मूल्य 0.01 स्तर से ज्यादा है। इसलिये 0.01 स्तर पर "F" का मूल्य सार्थक होने की वजह से परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षः अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि, बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं के बीच मराठी लिखित उपलब्धि परीक्षण में सार्थक अंतर है।

परिकल्पना 6: मराठी विषय की मौखिक उपलब्धि परीक्षण में बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 4.2.6

बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं के बीच मराठी विषय की मौखिक उपलब्धि में अंतर

प्रसरण स्त्रोत (S.V.)	वर्गों का योग (S.S.)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (M.S.)	"F" मूल्य	सार्थकता स्तर
समूह के मध्य (B.S.S.)	1.127	2	.563	.203	0.01*
समूह के अंतर्गत (W.S.S.)	825.310	297	2.779		

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –4.68

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य –3.03

स्पष्टीकरण : उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.6 को देखने से स्पष्ट होता है कि, मराठी मौखिक उपलब्धि परीक्षण में बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल के छात्रों एवं छात्राओं में "F" का मूल्य .203 है।

प्रस्तुत तालिका में "F" का मूल्य .203 है। यह मूल्य 0.01 स्तर से कम है। इसलिये 0.01 स्तर पर "F" का मूल्य सार्थक न होने की वजह से परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षः अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि, बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं के बीच मराठी मौखिक उपलब्धि परीक्षण में सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना 7 **"मराठी विषय की लिखित और मौखिक (समग्र) उपलब्धि परीक्षण में बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्रों में सार्थक अंतर नहीं है।**

तालिका 4.2.7

बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं के बीच मराठी लिखित एवं मौखिक (समग्र) उपलब्धि में अंतर

प्रसरण स्त्रोत (S.V.)	वर्गो का योग (S.S.)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (M.S.)	"F" मूल्य	सार्थकता स्तर
समूह के मध्य (B.S.S.)	2422.427	2	1211.213	7.527	0.01**
समूह के अंतर्गत (W.S.S.)	47792.570	297	160.918		

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य – 4.68

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य – 3.03

स्पष्टीकरण : उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.7 को देखने से स्पष्ट होता है कि, मराठी लिखित और मौखिक (समग्र) उपलब्धि परीक्षण में बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल के छात्रों एवं छात्राओं में "F" का मूल्य 7.527 है।

प्रस्तुत तालिका में "F" का मूल्य 7.527 है। यह मूल्य 0.01 स्तर से ज्यादा है। इसलिये 0.01 स्तर पर "F" का मूल्य सार्थक होने की वजह से परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष: अतः यह निष्कर्ष निकलता है, कि बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल मे अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं के बीच मराठी लिखित और मौखिक (समग्र) उपलब्धि परीक्षण में सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना 8 "गणित विषय की उपलब्धि परीक्षण में बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्राओं एवं छात्रों में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 4.2.8

बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं के बीच गणित उपलब्धि परीक्षण में अंतर

प्रसरण स्त्रोत (S.V.)	वर्गों का योग (S.S.)	मुक्तांश (df)	मध्यमान वर्ग (M.S.)	"F" मूल्य	सार्थकता स्तर
समूह के मध्य (B.S.S.)	7493.307	2	3746.563	11.976	0.01^{**}
समूह के अंतर्गत (W.S.S.)	92914.880	297	312.845		

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य – 4.68

0.05सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य – 3.03

स्पष्टीकरण : उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.8 को देखने से स्पष्ट होता है कि, गणित विषय की उपलब्धि परीक्षण में बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल मे अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं में "F" का मूल्य 11.976 है।

प्रस्तुत तालिका में "F" का मूल्य 11.976 है। यह मूल्य 0.01 स्तर से ज्यादा है। अतः "F" का मूल्य सार्थक होने की वजह से परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष : अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि, बस्तिशाला,नाविण्यपूर्ण स्कूल और जिला परिषद स्कूल में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं के बीच गणित विषय की उपलब्धि परीक्षा मे सार्थक अन्तर है।

4.3 शिक्षा के मुख्य प्रवाह पर पड़नेवाले प्रभाव का विवरण।

बस्तिशाला से कक्षा 4 के छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण होकर शिक्षा के मुख्य प्रवाह मे कक्षा 5,6 और 7 मे भर्ती कराए जाते है, तब उनकी शैक्षिक उपलब्धि और उपस्थिती किस प्रकार की है यह देखना जरुरी है। इस प्रभाव को देखने के लिये शोधकर्ता व्दारा कक्षा 5,6,7 से संबंधित विद्यालयों मे जाकर उनके पिछले साल (2005-2008 तक) के प्रगती कार्ड को देखकर निम्नानुसार निष्कर्ष पाये गये है।

*शिक्षा के मुख्य प्रवाह मे भर्ती कराए गए कक्षा 5,6,और 7 के विद्यार्थीयों की शैक्षिक उपलब्धि मे सार्थक अन्तर का विवरणः-

तालिका क 4.3.1

समुह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाण विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	t मूल्य	सार्थकता स्तर
कक्षा 5 कक्षा 6	100 100	63.745 64.51	14.843 15.487	198	2.15	0.535	सार्थक अतंर नही
कक्षा 5 कक्षा 7	100 100	63.7459 63.90	14.843 20.752	198	2.56	0.071	सार्थक अतंर नही
कक्षा 6 कक्षा 7	100 100	64.51 63.90	15.487 20.752	198	2.60	0.551	सार्थक अतंर नही

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य - 2.60

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य - 1.97

निरीक्षण 1 तालिका क 4.3.1 से स्पष्ट होता है कि, कक्षा 5और 6 के शिक्षा के मुख्य प्रवाह मे भर्ती कराये गये विद्यार्थीयों मे शैक्षिक उपलब्धि के लिये प्राप्त 'टि' का परीगणित मूल्य 0. 535 है। स्वतंत्रता कोटी 198 के लिये 0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.60 तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.97 है। इससे स्पष्ट होता है की गणना व्दारा प्राप्त मूल्य सारणीमूल्य से अधिक है।

निष्कर्ष प्रस्तुत निरीक्षण से स्पष्ट होता है की, कक्षा 5और 6 के विद्यार्थीयों में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नही है।

निरीक्षण 2 तालिका क्र. 4.3.1 से स्पष्ट होता है की कक्षा 5 और 7 के शिक्षा के मुख्य प्रवाह मे भर्ती कराये गये विद्यार्थीयों मे शैक्षिक उपलब्धि के लिये प्राप्त 'टि' का परीगणित मूल्य 0. 071 है। स्वतंत्रता कोटी 198 के लिये 0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.60 तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.97 है। इससे स्पष्ट होता है की, गणना व्दारा प्राप्त मूल्य सारणी मूल्य से अधिक है।

निष्कर्ष प्रस्तुत निरीक्षण से स्पष्ट होता है की, कक्षा 5और 7 के विद्यार्थीयो मे शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नही है।

निरीक्षण 3 तालिका क्र. 4.2.1 से स्पष्ट होता है की, कक्षा 6 और 7 के शिक्षा के मुख्य प्रवाह मे भर्ती कराये गये विद्यार्थीयों मे शैक्षिक उपलब्धि के लिये प्राप्त टि का परीगणित मूल्य 0. 551 है। स्वतंत्रता कोटी 198 के लिये 0.01सार्थकता स्तर पर सारणीमूल्य 2.60 तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.97 है। इससे स्पष्ट होता है की गणना व्दारा प्राप्त मूल्य सारणी मूल्य से अधिक है।

निष्कर्षः प्रस्तुत निरीक्षण से स्पष्ट होता है की कक्षा 6और 7 के विद्यार्थीयो मे शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नही है।

* शिक्षा के मुख्य प्रवाह मे भर्ती कराए गए कक्षा 5,6 और 7 के छात्रो के उपस्थिती मे सार्थक अंतर का विवरणः-

तलिका क्र. 4.3.2

समुह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाप विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	प्रमाणिक त्रुटी (SEd)	t मूल्य	सार्थकता स्तर
कक्षा 5 कक्षा 6	100 100	228.59 213.53	24.917 39.609	198	4.70	3.091	सार्थक अतंर है
कक्षा 5 कक्षा 7	100 100	228.59 197.38	24.917 57.317	198	6.28	4.743	सार्थक अतंर है
कक्षा 6 कक्षा 7	100 100	213.53 197.38	39.609 57.317	198	7.00	2.968	सार्थक अतंर है

0.01 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य - 2.60

0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य - 1.97

निरीक्षण 4 तालिका क्र 4.3.2 से स्पष्ट होता है की, कक्षा 5 और 6 के शिक्षा के मुख्य प्रवाह मे भर्ती कराये गये विद्यार्थीयों मे शैक्षिक उपस्थिती के लिये प्राप्त 'टि' का परीगणित मूल्य 3. 091 है। स्वतंत्रता कोटी 198 के लिये 0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.60 तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.97 है। इससे स्पष्ट होता है की गणना व्दारा प्राप्त मूल्य सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.01 सार्थकता स्तर पर कक्षा 5 और 6 के विद्यार्थीयों की विद्यालयीन उपस्थिती मे सार्थक अंतर है

निष्कर्ष प्रस्तुत निरीक्षण से स्पष्ट होता है की, कक्षा 5और 6 के विद्यार्थीयो मे विद्यालयीन उपस्थिती के मध्य सार्थक अंतर है।

निरीक्षण 2 तालिका क्र 4.3.2 से स्पष्ट होता है की कक्षा 5 और 7 के शिक्षा के मुख्य प्रवाह मे भर्ती कराये गये विद्यार्थीयों मे शैक्षिक उपस्थिती के लिये प्राप्त 'टि' का परीगणित मूल्य 4. 743 है। स्वतंत्रता कोटी 198 के लिये 0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.60 तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.97 है। इससे स्पष्ट होता है की गणना व्दारा प्राप्त मूल्य सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.01 सार्थकता स्तर पर कक्षा 5 और 7 के विद्यार्थीयों की विद्यालयीन उपस्थिती मे सार्थक अंतर है

निष्कर्ष प्रस्तुत निरीक्षण से स्पष्ट होता है की कक्षा 5और 7 के विद्यार्थीयो मे विद्यालयीन उपस्थिती के मध्य सार्थक अंतर है।

निरीक्षण 3 तालिका क्र 4.3.2 से स्पष्ट होता है की कक्षा 6 और 7 के शिक्षा के मुख्य प्रवाह मे भर्ती कराये गये विद्यार्थीयों मे शैक्षिक उपस्थिति के लिये प्राप्त 'टि' का परीगणित मूल्य 2. 968 है। स्वतंत्रता कोटी 198 के लिये 0.01सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 2.60 तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणी मूल्य 1.97 है। इससे स्पष्ट होता है की, गणना व्दारा प्राप्त मूल्य सारणी मूल्य से अधिक है। अतः 0.01 सार्थकता स्तर पर कक्षा 5 और 7 के विद्यार्थीयों की विद्यालयीन उपस्थिती मे सार्थक अंतर है

निष्कर्ष प्रस्तुत निरीक्षण से स्पष्ट होता है कि, कक्षा 6 और 7 के विद्यार्थीयो मे विद्यालयीन उपस्थिती के मध्य सार्थक अंतर है।